बाइबल में, घृणित कार्य उस हर चीज़ को कहा जाता है जो परमेश्वर को गहराई से अपमानित करता है और उनके न्यायपूर्ण क्रोध को उकसाता है। हिब्रू शब्द “to‘evah” जिसे अक्सर “घृणित कार्य” कहा जाता है, कुछ ऐसा है जो परमेश्वर की दृष्टि में घृणित या नफ़रत योग्य है (नीतिवचन 6:16-19)। यह केवल सांस्कृतिक नापसंदगी नहीं है, बल्कि परमेश्वर के पवित्र स्वभाव का नैतिक और आध्यात्मिक उल्लंघन है।

1. मूर्तिपूजा (Götzendienst)
मूर्तिपूजा वह मुख्य घृणित कार्य थी जो परमेश्वर के ईर्ष्यालु प्रेम को उत्तेजित करती थी (निर्गमन 20:3-5)। यह पहला आज्ञा तोड़ता है और परमेश्वर की विशिष्ट सर्वोच्चता को अस्वीकार करता है। मूर्तिपूजा आध्यात्मिक बेवफ़ाई और परमेश्वर के न्याय को आमंत्रित करती है।

व्यवस्थाविवरण 27:15

“शापित हो वह जो मूर्तियों या ढाले हुए प्रतिमाओं को बनाता
है, यह यहोवा के लिए घृणित है…”

व्यवस्थाविवरण 32:16-17

“वे उसे विदेशी देवताओं के साथ ईर्ष्यालु बनाते थे… वे भूत-पिशाचों की पूजा करते थे, परमेश्वर की नहीं…”

मूर्तिपूजा ने इस्राएल को सच्चे परमेश्वर से दूर किया और उनके क्रोध को आकर्षित किया। यह सृष्टिकर्ता को सृजन के साथ बदलकर परमेश्वर के साथ बंधन का उल्लंघन है (रोमियों 1:25)।

2. यौन अनाचार – विशेषकर समलैंगिक संबंध
बाइबल समान लिंग के संबंधों को पाप और घृणित कार्य के रूप में ठहराती है, क्योंकि ये मानव यौनता के परमेश्वर द्वारा निर्धारित उद्देश्य का उल्लंघन करते हैं, जो विवाह में पुरुष और महिला के पूरक मिलन को दर्शाता है।

लैव्यवस्था 18:22

“तू पुरुष के साथ उस प्रकार न सोए जैसा स्त्री के साथ सोता है। यह घृणित कार्य है।”

लैव्यवस्था 20:13
“यदि कोई पुरुष पुरुष के साथ सोए जैसा स्त्री के साथ सोता
है, तो दोनों ने घृणित कार्य किया।”

ये आज्ञाएँ सृष्टि व्यवस्था और विवाह में यौन संबंधों की पवित्रता की पुष्टि करती हैं (उत्पत्ति 1:27-28)। इस प्रकार के पाप परमेश्वर के नैतिक कानून और समुदाय की पवित्रता को बाधित करते हैं।

3. लिंग के अनुसार वस्त्र पहनने का उल्लंघन
परमेश्वर लिंग के अनुसार वस्त्र बदलने से मना करते हैं, क्योंकि यह पुरुष और महिला के बीच परमेश्वर द्वारा निर्धारित भेद को मिटा देता है। यह लिंग पहचान के संदर्भ में सृष्टि व्यवस्था का उल्लंघन है।

व्यवस्थाविवरण 22:5

“स्त्री पुरुष के वस्त्र न पहने… जो ऐसा करता है वह यहोवा, तेरे परमेश्वर के लिए घृणित है।”

यह आज्ञा सृष्टि की प्रतीकात्मक व्यवस्था की रक्षा करती है और नैतिक व सामाजिक अराजकता से बचाती है (उत्पत्ति 1:27)।

4. अपूर्ण या बेईमान बलिदान
परमेश्वर पूजा में पवित्रता और ईमानदारी की मांग करते हैं। अपूर्ण या पापपूर्ण तरीके से प्राप्त बलिदान उनके लिए घृणित हैं।

व्यवस्थाविवरण 23:18

“तू वेश्याओं की मजदूरी या कुत्ते की कीमत न चढ़ाए… ये सब यहोवा, तेरे परमेश्वर के लिए घृणित हैं।”

व्यवस्थाविवरण 17:1

“तू किसी दोषयुक्त पशु को बलिदान के लिए न चढ़ाए… यह यहोवा, तेरे परमेश्वर के लिए घृणित है।”

पूजा को ईमानदार, शुद्ध और सम्मानजनक होना चाहिए। परमेश्वर की

पवित्रता की मांग है कि हम अपनी भक्ति के सर्वश्रेष्ठ के साथ उन्हें सम्मान दें (मलाकी 1:6-14)।

5. परम घृणित कार्य: विनाश का घृणित कार्य
यह भविष्य की भविष्यवाणी है, जो दानिय्येल में वर्णित है और यीशु द्वारा उल्लेखित है, जिसमें अंत समय में प्रतिप्रेषित दानव (Antichrist) यरूशलेम के मंदिर को अपवित्र करता है।

मत्ती 24:15

“जब तुम ‘विनाश का घृणित कार्य’ खड़ा देखो, जिसकी भविष्यवाणी नबी दानिय्येल ने की थी, पवित्र स्थान पर…”

यह घटना परमेश्वर के खिलाफ अंतिम विद्रोह का प्रतीक है और मसीह की पुनरागमन से पहले बड़े संकट की चेतावनी देती है (दानिय्येल 9:27; 2 थिस्सलुनीकियों 2:3-4)।

निष्कर्ष
बाइबल में घृणित कार्य केवल सांस्कृतिक उल्लंघन नहीं हैं, बल्कि परमेश्वर के पवित्र स्वभाव और नैतिक व्यवस्था का उल्लंघन हैं। मूर्तिपूजा, यौन अनाचार, लिंग भ्रम, पूजा में

बेईमानी और भविष्यवाणी की गई मंदिर अपवित्रता परमेश्वर के लिए गंभीर अपराध हैं।

परमेश्वर अपने लोगों को पवित्रता में जीने और अपने शरीर, मन और पूजा में उनका सम्मान करने के लिए बुलाते हैं (1 पतरस 1:15-16)। जो लोग घृणित कार्यों को पहचानते और उनसे बचते हैं, वे परमेश्वर की इच्छा अनुसार जीते हैं और उन्हें प्रिय होते हैं।

परमेश्वर आपको मार्गदर्शन और शक्ति दें कि आप उनकी पवित्रता और सत्य में जीवन जी सकें।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp